चावल के दाने

प्रश्न :

1) चित्र में क्या क्या दिखाई दे रहा है?

चित्र में एक आदमी घास का गड्डा सिर पर लिए बैलगाडी पर खड़ा है और रस्ते के आजूबाजू हरे पेड़ और घास नजर आ रही है।

2) कौन क्या कर रहा है?

किसान बैलगाडी चला रहा है और उसके सिर पर घास का गिड्डा है।

3) किसान के सिर पर बोझा देखकर तुम्हें क्या लगता है?

किसान अपने खेत में बहोत मेहनत करता है ऐसा यह चित्र देखकर लगता है।

सुनो बोलो

1) पाठ में दिये गये चित्रों के बारें में बातचीत करो।

पहले चित्र में राजा है उसके बाजू में एक सैनिक खड़ा है और सामने एक बोरी रखी है।

दुसरे चित्र में शतरंज का पाट है और सामने तेनालीरामन खड़ा है।

2) कहानी का शिर्षक तुम्हें कैसा लगा और क्यों?

कहानी का शिर्षक मुझे अच्छा लगा क्योंकी इसमें एक एक दाना भी कितना महत्वपूर्ण है ये बताया है।

3) तेनालीराम ने इनाम में सोना क्यों नहीं लिया?

तेनालीराम दिखाना चाहता होगा की छोटी छोटी चिजे भी कितनी महत्वपूर्ण होती है। विजय हासिल करने के लिए एक छोटा कदम भी जरुरी होता है। यह दिखाने के लिए तेनालीरामन ने सोना नहीं लिया होगा।

4) श्रीकृष्णदेवराय की जगह अगर तुम होते तो क्या करते?

श्रीकृष्णदेवराय एक राजा थे अपने प्रजा का हित करनेवाले एक बुद्धिमान राजा। जो कृष्णदेवराय जी ने किया वही मैं भी करता। मतलब तेनालीरामन की बुद्धी का सम्मान करता।

5) कहानी का सारांश अपने शब्दों में बताओ।

तेनालीरामन तेनाली में रहने वाले बुद्धिमान व्यक्ती थे। एक दिन वह राजा के दरबार पहुँच गए और राजा को कविता सुनाई। राजा ने खुश होकर तेनालीरामन से कहा, माँगो जो तुम्हें इनाम में चाहिए। तेनालीरामन ने कहा, महाराज आप चावल का एक दाना शतरंज के पहले खाने में दिजिए अगले खाने में उसके दुगना दाने रखिए। मैं तो इसको आपका इनाम समझूँगा।

जैसा तेनालीरामन ने कहा वैसाही राजाने किया। दसवे खाने तक जाते जाते 512 दाने हो गये, बीसवे तक 524,288 और 32वे खाने तक 214 करोड से भी चावल की संख्या ज्यादा हो गयी। महाराज का आधा भंडार खाली हो गया। तेनालीराम राजा से कहना चाहता था की छोटी छोटी चीजे भी अपने जीवन में महत्वपूर्ण होती है। चावल के दाने का महत्त्व समझकर राजा ने तेनालीराम को अपने अष्टदिग्गजों मे शामिल कर लिया।

पढ़ो

अ) नीचे दिये गये वाक्य पढो। गलती पहचानो। सुधारो। आपनी उत्तर पुस्तिका में लिखो।

1) एक दिन वे राजा अकबर से मिलने उनकी राजधानी हंपी पहुँचे।

एक दिन वे राजा श्रीकृष्णदेवराय से मिलने उनकी राजधानी हंपी पहुँचे।

2) पहले खाने में 8 दाने रखे गये।

पहले खाने में 1 दाना रखा गया।

3) राजा को उनका भाषण पसंद आया।

राजा को उनकी कविता पसंद आयी।

आ) पाठ के आधार पर नीचे दी गयी पंक्तियाँ सही क्रम में लिखो।

1) तेनालीराम हंपी पहुँचे।

2) उन्होंने तुरंत तेनाली को सम्मान के साथ अष्टदिग्गजों में शामिल कर लिया।

3) "हाँ, महाराज!" - तेनालीरामन ने विनम्रता से कहा।

4) उन्हें राजदरबार में पेश किया गया।

5) "तो ऐसाही होगा।" - महाराज ने सेवक को आदेश दिया।

सही क्रम

1) तेनालीराम हंपी पहुँचे

2) उन्हें राजदरबार में पेश किया गया।
3) "हे महाराज!" - तेनालीरामन ने विनम्रता से कहा।
4) "तो ऐसा ही होगा।" - महाराज ने सेवक को आदेश दिया।
5) उन्होंने तुरंत तेनाली को सम्मान के साथ अष्टदिग्गजों में शामिल कर लिया।

3) नीचे दी गयी घटना पढ़ो। और प्रश्नों के उत्तर दो।
1) इस घटना के पात्रों के नाम बताओ।
इस घटना के पात्र हैं शहंशाह अकबर, बीरबल।

2) अकबर ने क्या प्रश्न किया?
"बीरबल! ऊपर वाले यानी अल्लाह का न्याय कब होता है?"

3) अकबर ने किसे और क्यों आभार व्यक्त किया?
अकबर ने बीरबर के आभार व्यक्त किए क्योंकी, बीरबल की वजह से राजा अपने फैसलों में अधिक शर्तक हो गए।

4) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।
1) तेनालीराम दंग क्यों गए?
तेनालीराम श्रीकृष्णदेवराय से मिलने दंग गये।

2) तेनालीरामने राजा से क्या निवेदन किया?
तेनालीरामने राजा से कहा के शतरंज के पहले खाने में एक दाना रख दें और हर खाने में पिछले खाने का दुगना रखते जायें। यह निवेदन तेनालीराम ने राजा से किया।

3) श्रीकृष्णदेवराय ने तेनालीराम का सम्मान किस तरह किया?
श्रीकृष्णदेवराय ने तेनालीराम को सम्मान के साथ अष्टदिग्गजों में शामिल कर दिया।

लिखो।
अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।
1) तेनालीराम के व्यक्तित्व के बारे में लिखो।
तेनालीराम बहोत चतुर और होशियार व्यक्ति थे वे अच्छी अच्छी कविताएँ लिखते थे।

3) तेनालीरामन की जगह अगर तुम होते तो इनाम के रूप में क्या लेते?
तेनालीराम की जगह अगर हम होते तो हम इनाम के रूप में पुस्तिकाएँ लेते।

3) इस पाठ से क्या संदेश मिलता है?
दिखने में छोटी होने वाली चीजें असल में बहुत बड़ी होती हैं। हमें हर कदम पर सोच समझकर चलना चाहिए।

शब्द भंडार
अ) नीचे दिये गये संख्या - शब्द पढ़ो। समझो। गलत संख्या पर गोला बनाओ और सही शब्द लिखो।
1) 25 - पंद्रह - पच्चीस
2) 28 - अठारह - अट्ठाईस
3) 32 - बाईस - बत्तीस
3) 36 - सोलह - छत्तीस
4) 44 - चौदह - चौंतालीस
4) 47 - सत्रह - सैंतालीस

इ) पाठ में आयी संख्याओं को ठलर - पुस्तिका में लिखो। वाक्य प्रयोग करो।
जैसे : 2 - मेरे पास दो रुपये हैं।
1) 1 - कृष्णदेवराय ने एक सेवक को बुलाया।
2) 4 - मेरे पास चार आम हैं।
3) 8 - बगीचे में आठ पेड़ हैं।
4) 16 - सोलह फूलों की एक माला बनाई।
5) 52 - दसवें खाने में पाव सौ चावल दाने रखे गये।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति
अ) नीचे दिये वार्तालाप को आगे बढ़ाओ।
तेनालीराम - महाराज! प्रणाम!
श्रीकृष्णदेवराय - प्रणाम! बताओ तुम कौन हो?
तेनालीराम - मैं तेनालीराम, तेनाली का रहने वाला हूँ।
श्रीकृष्णदेवराय - बताओ, यहाँ आने का उद्देश्य क्या है?
तेनालीरामन - बस आपको कुछ कविताएँ सुनाना चाहता हूँ।
श्रीकृष्णदेवराय - अच्छा! सुनाओ!
(तेनालीरामन श्रीकृष्णदेवराय जी को कविता सुनाता है।)
श्रीकृष्णदेवराय - अरे वाह! तुम तो अच्छी कविताएँ करते हो। बोलो तुम्हें इनाम में क्या चाहिए?

तेनालीराम - जो आप खुशी से दे।
(श्रीकृष्णदेवराय जी तेनालीराम पर खुश होकर उसे अशर्फियों में स्थान देते हैं।)
तेनालीरामन - धन्यवाद महाराज

भाषा की बात
दिये गये अनुच्छेद मे संज्ञा, सर्वनाम, और विशेषण शब्द ढूंढो अब इन शब्दों से वाक्य प्रयोग करो।
संज्ञा - तेनालीराम, तेनाली, श्रीकृष्णदेवराय, हंपी
सर्वनाम - वे, यह
विशेषण - चतुर, ज्ञानी, आदर, सत्कार

तेनालीराम - तेनालीराम राजदरबार में गए।
तेनाली - तेनालीराम तेनाली के रहने वाले थे।
श्रीकृष्णदेवराय - राजा श्रीकृष्णदेवराय अपने प्रजा का ध्यान रखते थे।
हंपी - हंपी एक पर्यटनस्थल है।
वे - वे बाजार गए।
यह - यह तो कोई काम नहीं करता।
चतुर - अपने काम चतुराई से करने चाहिए।
ज्ञानी - ज्ञानी व्यक्ति हर समय सबको अपने ज्ञान से प्रभावित करता है।
आदर - बड़ों का आदर करना चाहिए।
सत्कार - हमने शिक्षकों का सत्कार किया।